सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

कोई उसे तर्क द्वारा नहीं समझ सकता, भले वो युगों तक तर्क करता रहे।

गुरू नानक देव

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 142 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 27 जून, 2025

एजबेस्टन: 58 वर्षों का सूखा खत्म करना... 7 | बिहार में बिछने लगी सियासी... 3 | भाजपा की सरकार में संविधान और... 2

पूरे देश में जातीय संघर्ष और भाषा विवाद की आग

ब्राह्मण बनाम यादव और मराठी बनाम हिंदी की शुरुआत

- » मुंबई में बरसों से अलग-थलग राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का मिलाप हिंदी विरोध पर साथ
- » कोरोना वायरस से तेज फैल रहा है, अहिर रेजीमेंट ने संभाला मोर्चा
- » इटावा व आसपास के क्षेत्रों में महौल हुआ गर्म, एक दूसरे पर विश्वास हुआ कम
- » तेलंगाना, केरल और तमिलनाडू में भी भाषा विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज
- » यूपी में जातीय संघर्ष चरम पर, रामजी लाल सुमन के बाद कथावचाक कांड ने भड़का दी आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जाति की बात करते—करते क्या देश अब जातीय संघर्ष के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है? वही भाषा विवाद भी तेजी से पूरे देश में अपनी गिरफ्त में ले रहा है। सीएम स्टालिन के व्यापक विरोध के बाद ताजा खबर महाराष्ट्र से जहां हिंदी के विरोध को लेकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच दोस्ती हो गयी है।

अब दोनो भाई मिलकर हिंदी का विरोध करेंगें। वहीं नफरत की राजनीति ने जातियों के संघर्ष का बिगुल बजा दिया है और मौजूदा परिवेश में समाजिक ताना—बाना छिन्न—भिन्न हो रहा है। ब्रहमणों का जिम्मा ब्राह्मण महासभा ने ले लिया है तो यादवों की बात अब यादव महासभा और अहिर रेजीमेंट कर रही है। घटना से यादव समाज में इतना रोष व्यप्त है कि कथावाचक मुकुटमणि पर एफआईआर की खबर से समाज ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

गुस्सा, रोष और बवाल

इटावा के दांदरपुर गांव के मेन गेट पर यादव समाज और अहीर रेजीमेंट के लोग खड़े हैं और बाकायदा लोगों से जाति पूछकर गांव में एंट्री दी जा रही है। पुलिस और प्रशासन के समझाने का असर बेअसर है। जाति अगर यादव है तो सम्मान के साथ एंट्री हो रही है। यह गांव उसी थाना क्षेत्र में आता है जहां घटना घटित हुई है। कोमोवेश ऐसा हाल इटावा और आसपास के क्षेत्रों में देखा जा रहा है और महौल बड़ी तेजी से बदल रहा है। पूरा समाजिक ताना बना अब संख्या पर टिक गया है और जिस गांव में जिस जाति के लोग ज्यादा हैं वहां उनकी चल रही है। इटावा में तो रोष इतना बड़ा कि बवाल हुआ और पुलिस पर पत्थरबाजी तक की गयी।

चोटी काटना निंदनीय

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कथावाचकों मुकुट मणि यादव और संत कुमार यादव के साथ हुए दुर्व्यवहार पर कहा है कि हम खुद प्रचार करते हैं कि कलावा पहनो, चोटी रखो, तिलक लगाओ। लेकिन जो हुआ वह गलत हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी सनातनी की चोटी काटना, उसका अपमान करना, अत्यंत निंदनीय कृत्य है और ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

सपा ने खुद को किया अलग

दंदरपुर गांव में हाल ही में हुए बवाल और प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट रूप से खुद को इस घटनाक्रम से अलग कर लिया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू और प्रदेश सचिव गोपाल यादव ने प्रेस वार्ता कर कहा है कि इस प्रदर्शन का समाजवादी पार्टी से कोई संबंध नहीं है और ना ही पार्टी ने इसका कोई आह्वान किया था। प्रेस वार्ता के दौरान सपा नेताओं ने कहा कि दंदरपुर की घटना में समाजवादी पार्टी की कोई भूमिका नहीं है और जो भी प्रदर्शन किया गया वह पार्टी की जानकारी या सहमति से नहीं हुआ। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के कुछ लोगों पर इस घटना को भड़काने का आरोप लगाया। सपा प्रदेश सचिव गोपाल यादव ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से ढिलाई और असंवेदनशीलता सामने आई, जिससे हालात बिगड़े।

अखिलेश यादव ने कसा तंज

अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि अगर ट्रंप जी को पता लग जाए कि इटावा में ऐसा हुआ है तो समझ लो क्या होगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आगे कहा कि मैं संविधान को मानता हूं। इटावा के अंदर रातभर कथावाचक अपमानित होते रहें। मैं सरकार से सवाल करता हूं कि इस तरह की घटना क्यों हो रही है? इससे पहले मुझे महोबा की घटना की जानकारी मिली थी जहां एक शादीशुदा दलित परिवार को चप्पल नहीं उतारने पर अपमानित होना पड़ा था।

नहीं लागू होने देंगे हिंदी

हिंदी भाषा पर महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडू समेत कई राज्यों मेंराजनीतिक घमासान मचा हुआ है। स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज ठाकरे ने मुंबई में 6 जुलाई को मार्च के आह्वान किया तो उद्धव ठाकरे ने 7 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की घोषणा कर दी है। शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपने का आरोप लगाते हुए कड़ा विरोध जताया। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने के मुद्दे ने उद्धव और राज ठाकरे को एक बार फिर साथ आने का मौका दे दिया है। इस मुद्दे पर उद्धव और राज ठाकरे साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया है कि महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने के खिलाफ राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे क्योंकि ठाकरे एक ब्रांड हैं।

कानून को हाथ में लेने का हक किसी को नहीं : ओम प्रकाश राजभर

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि देश संविधान से चलता है और अगर किसी को कोई शिकायत है तो उसे पुलिस में रिपोर्ट करनी चाहिए थी न कि खुद ही न्याय करने का प्रयास करना चाहिए था। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जो घटना है हम उसकी निंदा करते हैं, देश में संविधान है, कानून का राज है। अगर किसी ने गलत किया है तो थाने में जाकर तहरीर देनी चाहिए थी। पुलिस कार्रवाई करती, खुद जज बन जाना गलत है। उन्होंने आधार कार्ड से जुड़ी गड़बड़ियों को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक व्यक्ति के पास दो आधार कार्ड होना फ्रॉड की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में धोखाधड़ी की धारा 420 के तहत केस दर्ज होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया जब सबको एक आधार कार्ड रखने का अधिकार है, तो कोई दो क्यों बनाए। वहीं सपा चीफ अखिलेश यादव द्वारा दान-पुण्य न लेने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा कि ब्राह्मणों की भूमिका हमारे जीवन में जन्म से मृत्यु तक बनी रहती है। उन्होंने कहा मरने के बाद भी क्रिया-कर्म ब्राह्मण के बिना नहीं हो सकता. ब्राह्मणों की व्यवस्था को नकारा नहीं जा सकता। इसके साथ ही ओपी राजभर ने जाति व्यवस्था पर बोलते हुए कहा जब देश में जाति व्यवस्था बनी तो काम के आधार पर जातियां बनी।

जातीय हिंसा करवाना चाहती है सपा : भाजपा

इटावा में बीजेपी के पूर्व जिलाअध्यक्ष शिव महेश दुबे ने कहा है कि सपा इस पूरे मामले पर राजनीति कर रही है और वह जातीय संघर्ष कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कथावाचकों को जाति छुपाकर किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए था। दो आधार कार्ड होने से इस बात का पता चलता है कि यह लोग साजिश के तहत आए थे। ऋतम्भरा, निरंजन ज?योति, साक्षी जैसी कथावाचकों का ब्राह्मण जाति से न होने के बाद भी सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि चकरनगर ब्लॉक में यादव समाज की बेटी कथावाचिका है, लेकिन वह जाति छुपाकर नहीं आई और ब्राह्मण समाज के लोगों ने उसका बढ़चढ़ कर सम्मान किया है। जाति के नाम पर यह घटना नहीं हुई है।

भाजपा की सरकार में संविधान और आरक्षण खतरे में है: अखिलेश यादव

» सपा ने छत्रपति शाहूजी महाराज की मनाई 191वीं जयन्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में छत्रपति शाहूजी महाराज की 191वीं जयन्ती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव थे। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। श्री यादव ने कहा आज भाजपा की सरकार में संविधान और आरक्षण खतरे में है। भाजपा हार्टलेस है। भाजपा का एनडीए गठबन्धन नकारात्मक लोगों का गैंग है। भाजपा संविधान का सम्मान नहीं करती है। भाजपा से संविधान को बचाना है।

भाजपा समाज में भेदभाव पैदा करती है। धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लडाने का कार्य कर रही है। भाजपा सरकार में अन्याय,अत्याचार चरम पर है। लोगों की आवाज दबाई जा रही है। पीडीए को अपमानित किया जा रहा है। भाजपा ने समाज में नफरत फैलाया है। श्री यादव ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्री यादव ने इस अवसर पर कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज ने 26 जुलाई 1902 को कोल्हापुर राज्य में आरक्षण व्यवस्था लागू कर पिछड़े और वंचित वर्गों को अधिकार और सम्मान देने का कार्य किया। उन्ही के अनुसरण में समाजवादी पार्टी ने संविधान मान स्तम्भ की स्थापना की है।

इस अवसर पर सांसद आरके चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री चन्द्रदेव राम करेली, सांसद एसपी सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक आरके वर्मा, संदीप पटेल, अरूण वर्मा पूर्व विधायक, प्रोफेसर रविकान्त, प्रो. लक्ष्मण यादव समेत बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अन्याय से परेशान लोग पीडीए का हिस्सा

अखिलेश यादव ने कहा आज हालत यह है कि लोग भगवतगीता सुन सकते है लेकिन बोल नहीं सकते है। समाजवादी पार्टी का पीडीए ही सामाजिक न्याय की अवधारणा है। सभी पीड़ित, दुखी और अन्याय से परेशान लोग पीडीए का हिस्सा है। समाजवादी पार्टी इनके न्याय और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध, ज्योतिबाफुले, डा. अम्बेडकर, गॉधी जी और डा. लोहिया की एक सशक्त परम्परा है जो आडंबर और अंधविश्वास की विरोधी है। समाजवादी पार्टी उन्ही के रास्ते पर चल रही है।

उत्तर प्रदेश स्थित इटावा में कथावाचकों के साथ हुई अभद्रता का मामला अब और ज्यादा तूल पकड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले में फिर एक बार बड़ा बयान जारी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने कहा है कि लोग यूपी का अमन चैन बिगाड़ रहे हैं।

कुछ लोग यूपी का अमन चैन बिगाड़ रहे हैं

सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भाजपा अपने सेट किये हुए 'प्लांटेड लोगों' के उपनाम का दुरुपयोग करके उप्र के पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर, समाज को बाँटनेवाली जो 'घुसपैठिया राजनीति' प्रदेश में कर रही है, उसका सच बच्चा-बच्चा जानता है। उप्र का समाज कुछ नकारात्मक लोगों की गलतियों से बँटेगा नहीं बल्कि और भी मजबूत होगा। उन्होंने लिखा कि आज क्या उप्र में एक भी ऐसा भाजपाई नहीं है जिस पर दिल्लीवाले भरोसा कर सकें? शायद ऐसा ही है तभी तो वो बाहर से लोगों को लाकर षडयंत्र की नई बिसात बिछा रहे हैं। सच तो ये है कि ये लखनऊवालों के लिए एक 'ताल ठोंकती चुनौती' है कि उप्र को अस्थिर करने के लिए उप्र की सीमा पार से लोग बार बार अंदर आ रहे हैं और प्रदेश का अमन-चैन बिगाड़ कर आराम से वापस चले जा रहे हैं। उप्र की भाजपा सरकार क्या अब अपने प्रदेश की सीमाएं किसी भी अराजक तत्व के लिए खोल देगी।

अल्लाह के अलावा किसी पर विश्वास नहीं: तंजीम फातिमा

» जेल में पति आजम खां से मिलने पहुंची पूर्व सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित सीतापुर के जिला कारागार में पिछले करीब 20 माह से बंद सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान से उनकी पत्नी तंजीम फातिमा, बेटे अदीब आजम और सपा नेता शावेज खान मुलाकात करने पहुंचे। शनिवार को बेटा अब्दुल्ला मुलाकात कर वापस जा चुके हैं। दोनों मुलाकातों के बाद बाहर आए परिजनों ने एक ही बात कही कि जेल के अंदर आजम खान की तबीयत ठीक नहीं है। अब उनकी पत्नी के एक बयान ने यूपी के सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। तंजीम फातिमा ने बेटे संग गुरुवार को आजम खान से दो घंटे तक मुलाकात की। इस दौरान जब आजम खान की रिहाई को लेकर उनकी पत्नी तंजीम फातिमा से जब पूछा गया तो उनका कहना था कि मामले कोर्ट में चल रहे हैं जल्द रिहाई होगी।

समाजवादी पार्टी आजम खान की मदद कर रही है या नहीं इस सवाल पर तंजीम फातिमा ने कहा उन्हें अब किसी पर कोई विश्वास नहीं रहा। उन्हें सिर्फ अल्लाह पर विश्वास है। आजम खान के बेटे अदीब खान मुलाकात कर जब लौटे और पत्रकारों ने आजम खान का हाल जाना तो उन्होंने बताया कि उनके पिता की तबीयत ठीक नहीं है वह काफी कमजोर हो गए हैं और एक ही जवाब उनकी जुबान पर हमेशा की तरह रहा, जेल तो जेल है जेल में कौन ठीक रह सकता है। सीतापुर जिला कारागार में बंद आजम खान से मिलाई करने वालों में सिर्फ उनके परिवारीजन ही अब पहुंच रहे हैं। बता दें समाजवादी पार्टी का कोई भी नेता न तो मिलाई करने जेल जा रहा है और न ही बाहर नजर आ रहा है।

सपा में शामिल होंगे तेज प्रताप यादव!

» लालू के बेटे ने की सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेज प्रताप यादव ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, अखिलेश जी हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया तो लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं।

पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने साफ कर दिया है कि वे चुप नहीं बैठेंगे। अपने राजनीतिक भविष्य और निजी जीवन को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच तेज प्रताप एक के बाद एक बैठकें कर रहे हैं, अपने समर्थकों से बात कर रहे हैं और माहौल बना रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वीडियो कॉल पर बात की। बाद में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। अखिलेश जी हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहे हैं। जब उन्होंने अचानक मेरा हालचाल पूछने के लिए फोन किया तो लगा कि मैं इस लड़ाई में अकेला नहीं हूं। इससे यह सवाल उठने लगा है कि क्या तेजप्रताप अखिलेश की मदद से राजनीतिक वापसी की योजना बना रहे हैं।

कांग्रेस ने जिला व शहर इकाइयों के कसे पेंच

» घोषित हुईं 40 जिला व शहर इकाइयों की कार्यकारिणी

» पिछड़ों को मिले 60 फीसदी पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी 27 के होने वाले विधान सभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने यूपी में चाकचौबंद व्यवस्था करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने प्रदेश के 40 जिला व शहर इकाइयों की कार्यकारिणी घोषित कर दी है। 10 जिले ऐसे हैं, जहां की जिला व शहर दोनों इकाइयों की कार्यकारिणी घोषित की गई है। अन्य में कहीं जिला तो कहीं शहर इकाई को मंजूरी दी गई है।

कार्यकारिणी में करीब 60 फीसदी पिछड़े व दलित एवं 20 फीसदी महिलाओं को शामिल किया गया है। जिन जिलों की कार्यकारिणी मानक के अनुरूप नहीं थीं, उन्हें सुधारने के लिए वक्त दिया गया है। कांग्रेस के 133 जिला व शहर अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद जिला व शहर कमेटियों का गठन शुरू किया गया। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने एक-एक जिला व शहर इकाई की समीक्षा की। शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्यकारिणी तय करके उसे स्वीकृति देने की प्रक्रिया शुरू की गई। जहां की जिला व शहर इकाइयां निर्विवाद और मानक के अनुरूप पाई गई, उन्हें बृहस्पतिवार को घोषित कर दिया गया है। जोनवार स्थिति में सर्वाधिक कमेटियां प्रयाग जोन में घोषित की गई हैं। यहां की प्रयाग जोन में अमेठी, चंदौली, जौनपुर, कौशाम्बी, भदोही, प्रतापगढ़ प्रयाराज गंगापार, प्रयागराज यमुनापार एवं गाजीपुर की जिला एवं शहर, मिर्जापुर, सुलतानपुर, एवं मुगलसराय की शहर कमेटी घोषित की गई है। इसी तरह अवध जोन में बलरामपुर, बाराबंकी, श्रावस्ती, सीतापुर एवं उन्नाव की जिला कमेटी और रायबरेली की शहर कमेटी, ब्रज जोन में पीलीभीत की जिला व शहर, अलीगढ़ एवं बरेली की शहर कमेटी, बुंदेलखंड जोन में इटावा, हमीरपुर, कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, ललितपुर, औरैया की जिला कमेटी और उरई शहर कमेटी जारी की गई हैं।

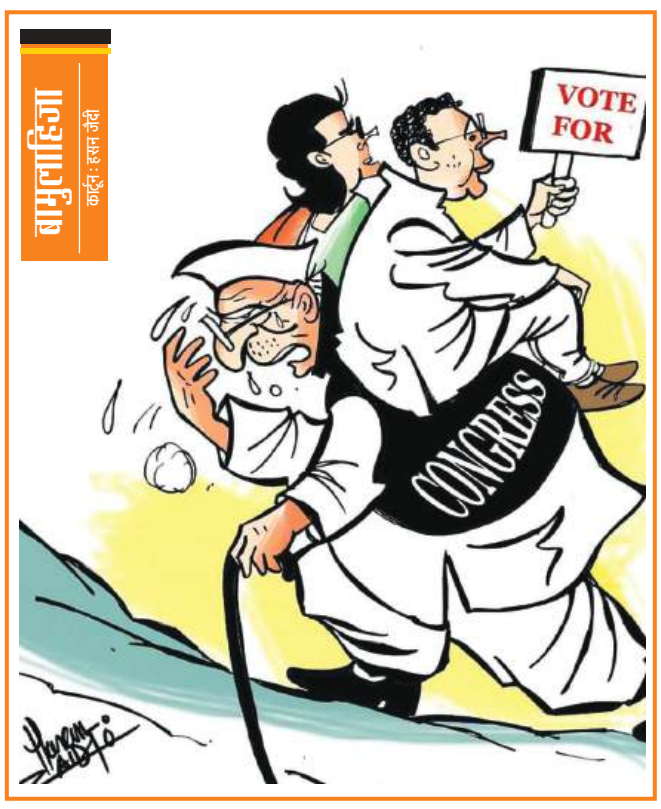

यूपी में सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं: संजय सिंह

» आप सांसद बोले- तय करना होगा कि मधुशाला चाहिए या पाठशाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि गांव-गांव में विरोध, गुस्सा और नाराजगी है। 27 हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने की तैयारी है। इसके लिए मर्जर, विलय का शब्द का प्रयोग किया जा रहा है। यह विद्यालय को बंद करना है।

2024 में प्रदेश में 2,308 मदिरालय खोले गए। 2025 में 27000 हजार विद्यालय बंद करने की योजना है। अब यह तय करना होगा कि मधुशाला चाहिए या पाठशाला चाहिए। इसकी लड़ाई है। पिछले चार साल में 42 लाख बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़े हैं। एक साल में आठ लाख बच्चों ने यूपी में पढ़ाई छोड़ी है। सीतापुर में विद्यालय पर बुलडोजर चला है। यहां बच्चे पढ़ते हैं। 5000 से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक शिक्षक है। उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने कहा कि सीतापुर बीएसए का 24 जून का आदेश है कि 267 से अधिक विद्यालयों की पेयरिंग की जाएगी। यही हाल अन्य जिलों का है जबकि आरटीई एक्ट कहता है कि 6 से 14 साल के बच्चों को नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा देनी होगी।

बिहार में बिछने लगी सियासी बिसात

तेजस्वी से मिले डी. राजा, सीपीआई के लिए 2 दर्जन से ज्यादा सीटों की रखी मांग, चुनाव आयोग का राज्य का दौरा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। जहां चुनाव आयोग ने राज्य में आगामी विधान सभा चुनावों की तैयारी के लिए दौरा शुरू कर दिया है वहीं सियासी दलों ने भी कमर कसना शुरू कर दिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने महागठबंधन के समन्वय समिति के संयोजक और प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव से मुलाकात कर बैठक की।

दोनों नेताओं के बीच बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों से लेकर राज्य राजनीति परिदृश्य पर चर्चा हुई। इसके बाद महागठबंधन द्वारा पूरी एकजुटता के साथ एनडीए के विरुद्ध चुनाव लड़ने पर सहमति बनी। डी. राजा ने विधानसभा चुनाव में भाकपा द्वारा दो दर्जन से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा से तेजस्वी यादव को अवगत कराया और सीटों की सूची भी उन्हें सौंप दी। वहीं भाजपा ने भी रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

तेजस्वी ने दिलाया भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भरोसा

इस पर तेजस्वी प्रसाद यादव ने भरोसा दिलाया कि महागठबंधन के समन्वय समिति की होने वाली बैठक मेंसर्वसम्मति से घटक दलों को सम्मानपूर्वक सीटें देने पर निर्णय लिया जाएगा। तेजस्वी यादव के साथ डी.राजा की हुई बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय, राज्य सचिव मंडल सदस्य संजय कुमार, ओमप्रकाश नारायण और अवधेश कुमार राय भी मौजूद थे। भाकपा की ओर से जिन दो दर्जन से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़नेकी दावेदारी की गई है उसमें तेघड़ा, बखरी, बछवाड़ा, हरलाखी, झंझारपुर, रूपौली, फुलवारीशरीफ, डुमरांव, गोह, बांका, बेलदौर, केसरिया, चनपटिया, मोतिहारी, जाले, बारिसनगर,सिकन्दरा, खजौली और करगहर प्रमुख हैं।

मुकेश सहनी के बयान से सियासी हलचल तेज

खगड़िया जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह कुशवाहा सहित संघ के 22 सदस्य विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) में शामिल हो गए। वीआईपी संस्थापक व पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने इन सभी को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। मिलन समारोह में सहनी ने दावा किया कि पार्टी लगातार अपने संघर्षों के जरिए लोगों के दिलों में अपना स्थान बना रही है। उन्होंने कहा कि इस साल चुनाव बहुत अहम है, इस कारण अपनी सरकार बनाने के लिए अभी से लग जाएं। सहनी ने कहा कि वीआईपी महागठबंधन में शामिल है और हम लोग 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। सीटों का भी फैसला जल्द होगा। गठबंधन में कहीं कोई दिक्कत नहीं है।बाद में सहनी ने मीडिया से कहा कि मुख्यमंत्री अस्वस्थ हैं और वे सरकार नहीं चला रहे हैं। जिस तरह से आयोग में रेवड़ी बांटी जा रही है वह कार्यप्रणाली नीतीश कुमार की नहीं है। आज सरकार कोई और चला रहा है। सरकारी पैसों से लोग अपना प्रचार कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है, तो फिर गरीबी क्यों बढ़ रही है। गुजरात में गरीबी जहां कम हो रही है, वहीं बिहार में गरीबी की दर 35 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत हो गई है। मिलन समारोह में पार्टी के नुरुल होदा, राष्ट्री प्रवक्ता देव ज्योति, डा. सुनील कुमार, नवीन सहनी, राम बिंद सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

नई पार्टियों को मिला चुनाव चिन्ह

जन सुराज पार्टी (जसुपा) सहित पंजीकृत आठ दलों को निर्वाचन आयोग ने चुनाव-चिह्न का आवंटन कर दिया है। जसुपा को चुनाव-चिह्न के रूप में स्कूल बैग मिला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) को गैस सिलेंडर और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को नाविक के साथ नाव चुनाव-चिह्न मिला है। बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में इन दलों के प्रत्याशी इसी चुनाव-चिह्न से मैदान में उतरेंगे। मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। निर्वाचन आयोग के इस निर्णय का स्वागत करते हुए जसुपा की ओर से कहा गया है कि स्कूल बैगशिक्षा और प्रगति का प्रतीक है, जो उसकी विचारधारा को भी दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में भी जसुपा को यही

चुनाव-चिह्न मिला था। हालांकि, तब तात्कालिक रूप से मात्र उपचुनाव के लिए उसे इस चुनाव-चिह्न का आवंटन हुआ था। उल्लेखनीय है कि लगातार दो वर्ष की पदयात्रा के बाद पिछले वर्ष दो अक्टूबर को प्रशांत किशोर ने जसुपा के गठन की घोषणा की थी। विधानसभा के पिछले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक के रूप में वीआईपी चार सीटों पर विजयी रही थी। जसुपा को स्कूल बैग, वीआईपी को नाविक के साथ नाव, रालोमो को गैस सिलेंडर, भारतीय सार्थक पार्टी को कैंची, लोहिया जनता दल को बाल्टी, जन सहमति पार्टी को लेडी पर्स, भारतीय जनता समाजसेवी पार्टी को बांसुरी, राष्ट्रीय समाजवादी लोक अधिकार पार्टी को अंगूठी।

पंजाब में फिर नशे पर सियासत गरमाई, मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद बढ़ी रार

» डेढ़ साल बाद आप से हिसाब लेंगे, हम डरने वाले नहीं : सुखबीर

» शिअद नेता बोले- 2027 ज्यादा दूर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में एकबार फिर नशे को लेकर सियासत गरमा गई है। आप ने जहां भाजपा व शिअद पर हमला बोला है तो वहीं कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। उधर पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया। इस पर भी किचकिच शुरू हो गई है। बता दें अमृतसर स्थित ग्रीन एवेन्यू स्थित मजीठिया की कोठी पर सुबह करीब साढ़े छह बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक विजिलेंस ने सर्च अभियान भी चलाया।

मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार अपनी कमजोरियां छुपाने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रही है। डेढ़ साल बाद आप की हर ज्यादती का हिसाब लिया जाएगा। 2027 ज्यादा दूर नहीं है। आप को गलतफहमी है कि वे पर्चे दर्ज करके अकाली दल के नेताओं को डरा लेंगे, लेकिन अकाली दल वह पार्टी है, जिसके वर्करों ने 16-16 साल जेल काटी है। हम डरने वाले नहीं हैं।

आप सरकार का तरीका गलत, महिला विधायक को भी नहीं छोड़ा: बाजवा

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार का यह तरीका गलत है। आप सरकार ने महिला विधायक को भी नहीं छोड़ा। बिना वारंट इस तरह की कार्रवाई की गई है। विधायक गनीव कौर के चंडीगढ़ स्थित आवास पर रेड निंदनीय है। यह पहली बार नहीं है, जब आप ने इस तरह की कार्रवाई की है। इससे पहले हमारे विधायक सुखपाल सिंह खैरा के घर भी इस तरह की कार्रवाई की थी।

राजनीतिक प्रतिशोध के लिए नहीं होनी चाहिए भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई : जाखड़

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई व्यक्तिगत या राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पारदर्शी और उचित प्रक्रिया पर आधारित होनी चाहिए। संस्थाओं का इस्तेमाल चुनिंदा व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है, जबकि अन्य अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। इससे न्याय और शासन दोनों की विश्वसनीयता खत्म होती है। किसी भी नेता को केवल सीएम को चुनौती देने के लिए सताया नहीं जा सकता, जैसे कि मजीठिया और कुछ कांग्रेसियों के मामले में देखा गया है।

सरकार नशे के खिलाफ लड़ रही सीधी जंग कानून से ऊपर कोई नहीं : अमन अरोड़ा

आप पंजाब के प्रधान और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ कार्रवाई है और कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने सरकार के इनस के खिलाफ अभियान को राजनीतिक प्रतिशोध से जोड़ने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्रवाई सबूतों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर की जाती है। प्रतिशोध के दावे निराधार हैं। अगर विजिलेंस या पुलिस को कोई शिकायत मिलती है, तो वे उसके अनुसार कार्रवाई करते हैं। कानून स्वतंत्र रूप से अपना काम कर रहा है। अगर कोई निर्दोष है तो उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है।

नशे से जुड़ी गतिविधियों में जो शामिल होगा, बख्शेंगे नहीं : चीमा

कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आरोप लगाया कि दशकों तक अकाली-भाजपा और कांग्रेस के शासन में नशे के कारोबार को प्रोत्साहन मिलता रहा। कोई भी व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, अगर वह नशे से जुड़ी गतिविधियों में शामिल है, तो उसे कानून का सामना करना ही पड़ेगा। नशे के खिलाफ आप सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

आज नशे से पीड़ित हजारों परिवारों में न्याय की उम्मीद जगी : लालचंद कटारू

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने मजीठिया के खिलाफ कार्रवाई पर कहा कि आज नशे से पीड़ित हजारों परिवारों में न्याय की उम्मीद जगी है। आप सरकार ने पंजाब से नशे को जड़ से खत्म करने के लिए युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाया है। हम हर हाल में नशा और नशा तस्करों को खत्म कर के रहेंगे।

पंजाब में नशा फैलाने के लिए अकाली-भाजपा जिम्मेदार : धालीवाल

कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने आरोप लगाया कि पंजाब में नशा फैलाने के लिए अकाली-भाजपा जिम्मेदार है। आप सरकार पंजाब को नशे से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक पंजाब पूरी तरह से नशा मुक्त नहीं हो जाता।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बातचीत से हर समस्या का समाधान निकलेगा

विश्व में कई देशों के बीच युद्ध की स्थिति निर्मित हो रही है। एक दूसरे पर मिसाइल से हमले हो रहे हैं। जान-माल का नुक़सान हो रहा है। अब विश्व स्तर पर सभी के बीच शांति स्थापित करने के प्रयास करने होंगे। खासकर संयुक्त राष्ट्र संघ को खुद को प्रासंगिकता और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपना प्रभाव दिखाना होगा। इन युद्ध से किसी को फायदा नही मिलने वाला विश्व के कई देशों को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

फिलहाल तो इजरायल-ईरान, भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम चल रहा है। पर बीच-बीच में इन देशों के बीच तनातनी की खबरें आती हैं तो दिल सिहर उठता है कि कहीं फिर लड़ाईयां और मोर्चे खुल गईं तो विश्व में सिर्फ तबाही ही मचेगी। पिछले कुछ सालों से विश्व में कई देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी हुई है। एक दूसरे पर मिसाइल से हमले हो रहे हैं। जान-माल का नुक़सान हो रहा है। अब विश्व स्तर पर सभी के बीच शांति स्थापित करने के प्रयास करने होंगे। खासकर संयुक्त राष्ट्र संघ को खुद को प्रासंगिकता और अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपना प्रभाव दिखाना होगा। इन युद्ध से किसी को फायदा नही मिलने वाला विश्व के कई देशों को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। बातचीत से हर समस्या का समाधान निकल सकता है। विश्व समुदाय मिल बैठकर विचार करें कि इस समस्या से कैसे निपटा जाए। वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र संघ के तमाम प्रयास इस दिशा में नाकाम सिद्ध हो रहे हैं। एक और अमरीका विश्व में शांति सुरक्षा बनाए रखने की हुंकार भर रहा है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक शांति के लिए खतरा बने देश को उन्नत किस्म के हथियारों की लगातार आपूर्ति कर रहा है। परस्पर एक देश को एक दूसरे के विरुद्ध युद्ध करने पर उकसाते हुए वैश्विक अशांति को जन्म दे रहा है। देश अक्सर अपने राजनीतिक, सैन्य और आर्थिक हितों को प्राथमिकता देते हैं और जब राष्ट्रीय स्वार्थ वैश्विक शांति के मार्ग में आड़े आते हैं, तो शांति स्थापना के प्रयास निष्फल हो जाते हैं। वर्तमान में बहुत-से संघर्ष विस्तारवाद, जातीय, धार्मिक कट्टरता, ऐतिहासिक और संसाधनों की प्रतिस्पर्धा से जुडे हैं, जिसमें कुछ देश अपना वर्चस्व स्थापित करने में युद्धरत हैं तो कुछ अपने अस्तित्व को बचाने में। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं कई बार शक्तिशाली देशों के दबाव में कमजोर साबित होती हैं तो वीटो पावर रखने वाले देशों में एकराय की कमी से कई शांति प्रस्ताव अटक जाते हैं। कुछ देशों के लिए युद्ध विपदा में व्यापार का अवसर है इसलिए वे अपने हथियार, इंटेलीजेंस, डिफेंस सिस्टम, मिसाइलें आदि युद्धरत देशों को बेचकर आर्थिक लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ऐसे में शांति की कोशिशें औपचारिक बनकर विफल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति के लिए किए जाने वाले प्रयास धरातल पर इसलिए नजर नहीं आ रहे हैं क्योंकि अमरीका जैसे देशों की कथनी और करनी में अंतर होता है। अमरीका एक ओर तो यूक्रेन रुस विवाद में मध्यस्थता करनें का दिखावा करता है और दुसरी ओर बैंक डोर से यूक्रेन को हथियार उपलब्ध करवाता है और फिर बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा पर अपना हक जताता है। कई राष्ट्रों के निजी व्यापारिक हितों ओर दोगलेपन के कारण वैश्विक शांति कायम नहीं हो पाती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नाम नहीं नीतियां बदलने से बदलेंगे हालात

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर ने भले ही कह दिया हो कि नाम में क्या रखा है, पर हकीकत तो यही है कि आपका नाम आपके चरित्र को बदलने की क्षमता रखता है। शायद इसी समझ का यह परिणाम है कि हमारी सरकारें नाम बदलने की नीति में विश्वास करती दिख रही हैं। गली- मोहल्लों के नाम बदलने से लेकर शहरों तक के नाम बदलने की देश में जैसे एक प्रतिस्पर्धा-सी चल रही है। कोई भी राज्य इस काम में पीछे नहीं रहना चाहता। राज्य यह मानकर चलते दिख रहे हैं कि नाम बदलने की यह कवायद जादुई असर रखती है। इस प्रवृत्ति का ताज़ा उदाहरण मध्य प्रदेश में दिखा है। वहां रातों-रात बेरोज़गारी समाप्त कर दी गयी है। सरकार ने बाकायदा इस बात की घोषणा की है कि अब प्रदेश में कोई बेरोज़गार नहीं है!

ऐसा नहीं है कि राज्य में सबको रोजगार मिल गया है। हुआ यह है कि राज्य सरकार को अचानक यह इलहाम हुआ है कि बेरोज़गारी की इस समस्या से निपटने का सबसे कारगर तरीका यह है कि रोजगार की तलाश में सड़कों पर भटकते, नारे लगाते युवाओं का नाम ही बदल दिया जाये। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी! इसलिए सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में राज्य के बेरोजगार युवाओं को 'रोजगार खोजने वाला युवा' कहा जायेगा। ऐसे में युवाओं को एक अच्छा-सा नाम भी दे दिया गया है। मध्य प्रदेश के कौशल विकास मंत्री ने यह घोषणा कर दी है कि अब इन युवाओं को 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। शेक्सपियर ने भले ही कुछ भी माना या कहा हो, हमारी सरकार यह मानती है कि बेरोज़गारी शब्द युवाओं का मनोबल गिराता है, इस शब्द का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए। अब युवाओं पर इसका नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका मनोबल बना रहेगा। इस निर्णय के परिणाम स्वरूप सरकारी नौकरियों में कार्यरत युवा उच्च पद पाने की आकांक्षा रखेंगे और बेरोज़गार युवा नौकरी की आकांक्षा रखेंगे। बेरोजगारी की समस्या का इससे अच्छा भला और क्या समाधान हो सकता है?

सरकारी आंकड़ों और मान्यता के अनुसार मध्य प्रदेश में 'आकांक्षी युवाओं' की संख्या दिसंबर 2024 में 26 लाख थी अब यह बढ़कर 29 लाख

हो गयी है। सरकारी आंकड़े यह भी बताते हैं कि सन 2020 से सन 2024 के दौरान राज्य में 27 रोज़गार मेले लगाये गये थे, इनमें तीन लाख युवाओं को रोज़गार के प्रस्ताव मिले थे। अब सरकार यह मान रही है कि बेरोजगारों का नाम बदलने से रोज़गार मिलने की गति में तेजी आयेगी और जल्दी ही बेरोजगारी का खात्मा हो जायेगा। निश्चित रूप से देश के अन्य राज्य भी मध्य प्रदेश से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और समस्याओं के समाधान का यह नाम बदलू तरीका अपनाकर देश में एक नई क्रांति का सूत्रपात करने में अपना योगदान देंगे।

राज्य सरकार के इस कदम को सार्थक परिणति तक पहुंचाने के काम को गति देने के लिए जनता के सुझाव भी आने लगे हैं। ऐसे सुझावों में एक सुझाव गरीबों को 'अर्ध धनवान' नाम देने का भी है। इसी तरह भिखारियों को 'सड़क के स्टार्टअप खोजी' कहकर देश की इस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

शुतुरमुर्ग के बारे में यह कहा जाता है कि संकट आने पर वह अपना सर रेत में छुपा लेता है और मान लेता है कि क्योंकि संकट उसे नहीं दिख रहा, इसलिए वह मिट गया है। कुछ ऐसी ही प्रवृत्ति हमारी सरकारों में दिख रही है। अन्यथा यह कैसे संभव है कि बेरोज़गार को आकांक्षी युवा कहने से उसका संकट मिट जायेगा? किसी भी समस्या का समाधान समस्या की आंख से आंख मिलाकर उसका सामना करने से होता है, न कि यह मान लेने से कि समस्या है ही नहीं। हमें यह मानना ही होगा कि बेरोज़गारी और गरीबी हमारी बहुत बड़ी समस्या है और चुनौती भी। इस समस्या का समाधान चुनौती को स्वीकार करके ही किया जा सकता है। अक्सर वक्त की सरकारें लोकलुभावनी नारों से जनता को भरमाने की कोशिश करती हैं, और अक्सर जनता इन नारों के जाल में फंस जाती है। 'इंडिया शाइनिंग' से लेकर 'अच्छे दिन' तक के नारों के शोर हम सुनते रहे हैं। इस तरह के नारे समय-विशेष की आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सांत्वना भले ही देते हों, पर अक्सर यह देखा गया है कि सरकारें बदलती स्थितियों के अनुसार अपने वादों और दावों को बदलती रहती हैं और अक्सर उन्हें जनता को भरमाने के अपने उद्देश्य में सफलता भी मिल जाती है।

समाज की चुप्पी से मजबूत होता नशा बाजार

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

हर साल 26 जून को जब दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाती है, तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि हम इसके खिलाफ कितनी बातें कर रहे हैं—बल्कि यह है कि क्या हम इसके खिलाफ सच में खड़े हो रहे हैं? यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जागृति का आह्वान है—एक ऐसी क्रांति की शुरुआत, जो नशे की जड़ों को उखाड़ फेंके और समाज को उसकी चपेट से मुक्त करे।

नशे की त्रासदी केवल इसके शारीरिक या मानसिक नुकसान तक सीमित नहीं है; इसकी असली ताकत उस सामाजिक स्वीकार्यता में है, जो इसे धीरे-धीरे हमारे जीवन में घुसने देती है। स्कूल के किशोर से लेकर कॉरपोरेट ऑफिस में काम करने वाले प्रोफेशनल तक, नशा अब एक 'पर्सनल च्वॉइस' का लबादा ओढ़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग 29.6 करोड़ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, और यह संख्या हर साल बढ़ रही है। एनसीआरबी और अन्य सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में 15 से 34 वर्ष की आयु के बीच के लाखों युवा नशे की चपेट में हैं। इनमें से कई स्कूली बच्चे और कॉलेज छात्र हैं, जो ड्रग्स, शराब, और तंबाकू के जाल में फंस रहे हैं।

नशे की यह महामारी केवल एक व्यक्ति की कमजोरी नहीं है; यह एक सामाजिक संरचना की खामी है। जब नशा 'कूल' होने का पर्याय बन जाता है, जब फिल्मों में सिगरेट का धुआं या शराब का ग्लास 'हीरोइज्म' का प्रतीक दिखाया जाता है, तो हमारी युवा पीढ़ी को गलत संदेश मिलता है। आज का युवा नशे को स्टेटस, स्टाइल, और स्वतंत्रता से जोड़ता है। यह एक ऐसी भ्रांति है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद करती है, बल्कि पूरे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक ढांचे को कमजोर करती है। नशा केवल शरीर को नहीं खोखला करता; यह सपनों, रिश्तों, और आत्मविश्वास को भी नष्ट करता है।

नशे के पीछे कई कारण गिनाए जाते हैं—तनाव, बेरोजगारी, सामाजिक दबाव, या फिर दोस्तों का प्रभाव। लेकिन क्या हमने कभी यह पूछा कि हमारी व्यवस्था इस समस्या को रोकने में कितनी नाकाम रही है? नशा विरोधी कानून, जैसे नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985, भारत में मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कहां है? स्कूलों में नशे के खिलाफ जागरूकता के नाम पर साल में एक बार भाषण या पोस्टर प्रतियोगिता करवा दी जाती है, लेकिन क्या यह पर्याप्त है? ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी और नशे की आसान उपलब्धता इस समस्या को और बढ़ा रही है। हाल के वर्षों में भारत में सस्ते और खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स, जैसे मेफेड्रोन की तस्करी में वृद्धि हुई है। ये नशीले पदार्थ न केवल सुलभ हैं, बल्कि इनका प्रचार सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए भी हो रहा है।

नशे का प्रभाव केवल शारीरिक या मानसिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। नशे की लत के कारण लोग अपनी नौकरी, शिक्षा, और सामाजिक प्रतिष्ठा खो देते हैं। परिवार टूटते हैं, बच्चे अनाथ होते हैं, और समाज में अपराध बढ़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाली बीमारियों और अपराधों का वैश्विक आर्थिक बोझ अरबों डॉलर में है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां पहले ही संसाधनों की कमी है, नशे की यह महामारी एक और बड़ी चुनौती है।

इस समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों या कानूनों तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है, जिसमें हर व्यक्ति, हर परिवार, और हर समुदाय की जिम्मेदारी बनती है। माता-पिता को अपने बच्चों से खुलकर बात करनी होगी—न कि डर या ताने के साथ, बल्कि प्यार और विश्वास के साथ। शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार पर नजर रखें और उन्हें नशे के खतरों के बारे में शिक्षित करें। स्कूलों और कॉलेजों में नशा निषेध पर नियमित कार्यशालाएं और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाने चाहिए। सरकार को नशा तस्करी के खिलाफ सख्ती बरतनी होगी और नशामुक्ति केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ानी होगी।

मीडिया और सिनेमा की भूमिका भी अहम है। जब तक फिल्में और वेब सीरीज नशे को 'ग्लैमराइज' करती रहेंगी, तब तक युवाओं के दिमाग से यह भ्रांति नहीं निकलेगी कि नशा 'कूल' है। असली हीरो वही है, जो नशे की लत को ठुकराकर अपने सपनों को हकीकत में बदलता है। सामाजिक स्तर पर भी हमें नशे के शिकार लोगों को हाशिए पर धकेलने के बजाय, उन्हें मुख्यधारा में लाने की कोशिश करनी होगी। नशामुक्ति केंद्रों को केवल सुधार गृह नहीं, बल्कि नवजीवन के केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। नशा एक बीमारी है, और इसका इलाज दया, समझ, और समर्थन से ही संभव है। छब्बीस जून का अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस हमें याद दिलाता है कि यह लड़ाई केवल एक दिन की नहीं, बल्कि हर दिन की है। यह केवल एक जागरूकता अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का आह्वान है। हमें अपने समाज को यह बताना होगा कि नशा स्वतंत्रता नहीं, गुलामी है।

हमें खुद से यह वादा करना होगा कि नशे को न केवल अपने जीवन से, बल्कि अपनी सोच और संस्कृति से भी बाहर करेंगे। क्योंकि नशा वह आग है, जो न केवल सपनों को जलाती है, बल्कि हमारी सभ्यता को भी राख में बदल देती है। अगर हमें अपने देश का भविष्य बचाना है, तो हमें पहले इसे नशे की गिरफ्त से आजाद करना होगा। यह समय खामोशी का नहीं, क्रांति का है। इस दिन संकल्प लें कि जब तक एक भी व्यक्ति नशे की चपेट में है, हमारी जीत अधूरी है।

पेट में गैस से इन घरेलु तरीकों से मिलेगी राहत

खाना खाने के बाद पेट में गैस बनना एक आम समस्या है, लेकिन कई बार ये छोटी सी समस्या आपको बहुत परेशान कर देती है। पेट फूलना, पेट में हल्का दर्द, बेचैनी और डकारें आना इसके सामान्य लक्षण हैं। यह समस्या न केवल आपको असहज कर सकती हैं, बल्कि कई बार आपको सामाजिक परिस्थितियों में भी शर्मिंदगी का कारण बन सकती है। आधुनिक जीवनशैली और खान-पान की कुछ आदतों के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। अच्छी बात यह है कि इस समस्या से निपटने के लिए हमारे घरों में ही कई ऐसे प्राकृतिक और प्रभावी उपाय मौजूद हैं, जिन्हें अपनाकर आप भोजन के बाद होने वाली गैस से काफी हद तक राहत पा सकते हैं।

क्यों बनती है गैस

भोजन के बाद पेट में गैस बनने के कई कारण हो सकते हैं इनमें से मुख्य कारण हैं, जल्दी-जल्दी खाना खाना, खाते समय बात करना, भोजन को ठीक से न चबाना या कुछ खास तैलीय तरह के खाद्य पदार्थों का सेवन करना। इस अलावा ओवरइटिंग (ज्यादा खाना खा लेना) या पाचन तंत्र का कमजोर होना भी पेट में गैस बनने का कारण हो सकती है। खैर, अब आइए इस लेख में कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में जानते हैं, जिसे अपनाकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

जीरा पानी

जीरा पानी के कई बेमिसाल फायदे हैं। अगर आप सुबह-सुबह खाली पेट कुछ दिनों तक जीरा पानी का सेवन करेंगे तो कुछ ही दिनों में कई शारीरिक परेशानियों से निजात पा लेंगे। जीरा में नेचुरली रूप से विटामिन ए, विटामिन ई, विटामिन के होता है जो इम्यूनिटी और मेटाबोलिज्म को बूस्ट करता है। इसके अलावा इसमें आयरन भी प्रचूर मात्रा में होता है बॉडी में ऑक्सीजन सर्कुलेशन के लिए जरूरी है। जीरा में मौजूद मैग्नीशियम के कारण मसल्स और नसों में तंदुरुस्ती रहती है। जीरा में फाइबर और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो डाइजेशन को भी बूस्ट करता है। जीरा पानी बनाने के लिए, एक चम्मच जीरा को एक गिलास पानी में डालकर अच्छी तरह उबाल लें। पानी को ठंडा होने दें और भोजन करने के बाद इसे धीरे-धीरे पिएं। यह पाचन क्रिया को सही करता है और पेट में बने गैस की समस्या को ठीक करने में मदद करता है।

गुनगुने पानी का सेवन

गुनगुना पानी पाचन स्वास्थ्य के लिए एक सरल और बेहद प्रभावी उपाय है। भोजन करने के बाद एक गिलास हल्का गुनगुना पानी पीना पाचन क्रिया को गति देने में मदद करता है। जब पेट में गैस बना हो तब गुनगुने पानी का सेवन पेट की मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है, जिससे गैस और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। इसलिए, गैस या अपच महसूस होने पर गुनगुना पानी पीना आपके लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है।

हींग का सेवन

हींग पेट में बनी गैस को दूर करने का एक पारंपरिक और बहुत ही अच्छा उपाय है। इसमें एंटी-फ्लैटुलेंट गुण होते हैं जो पेट की गैस को कम करने में तुरंत राहत देते हैं। हींग का सेवन करने के लिए, एक चुटकी हींग को एक गिलास हल्के गुनगुने पानी में घोल लें। भोजन के बाद इस पानी को पिएं। इसका स्वाद भले ही कड़वा लग सकता है, लेकिन यह पेट में बनी गैस से तुरंत आराम पहुंचाती है।

मेथी और अजवाइन

मेथी और अजवाइन दोनों ही अपने पाचन गुणों के लिए जाने जाते हैं। ये अपच, गैस और पेट दर्द के लिए बहुत लाभकारी होते हैं। जब मेथी और अजवाइन साथ में लिया जाता है तो इसका प्रभाव और बढ़ जाता है। इन्हें इस्तेमाल करने का बेस्ट तरीका यह है कि मेथी दाना और अजवाइन को बराबर मात्रा में मिलाकर हल्का भून लें। इसे पीसकर पाउडर बना लें और भोजन के बाद गर्म पानी के साथ थोड़ी मात्रा में इसका सेवन करें।

हंसना मना है

लड़की वाले लड़का देखने आए, लड़के वाले- आपकी लड़की का क्या नाम है, लड़की वाले- हमारी प्यारी, सबकी प्यारी, रामप्यारी, लड़की वाले- आपके लड़के का क्या नाम है, लड़के वाले- हमारा पी, आपका पी, सबका पी, पप्पू।

संता लड़की से- मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। लड़की- बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता- मेरे साथ चाय पे चलोगी? लड़की- अरे नहीं बाबा, मैं नहीं चल सकती क्योंकि चाय गर्म होती है, मेरे हाथ पैर जल गए तो...

टीचर- आज मैं क्विज प्रतियोगिता कर रही हूं सभी बच्चे जल्दी-जल्दी जबाब देना, टीचर- बताओं मधुमक्खी हमें क्या देती है, बच्चा-शहद, टीचर- पतली बकरी क्या देती है, बच्चा- दूध... टीचर- और भैंस हमें क्या देती है, बच्चा- होमवर्क, दे थप्पड़...दे थप्पड़...दे थप्पड़।

मां बेटे से: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हूं मां.. मां: शाबाश! मां: क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमस। फिर क्या था चप्पल के साथ ही दे थप्पड़, दे थप्पड़!

कहानी | अपनी पड़ताल स्वयं करें

एक बार की बात है एक व्यक्ति के बारे में मशहूर हो गया कि उसका चेहरा बहुत मनहूस है। यह बात जब लोगों को पता चली तो सभी ने उसके मनहूस होने की शिकायत राजा से की। राजा ने जब लोगों की पूरी बात सुनी लेकिन राजा ने लोगों की इस धारणा पर विश्वास नहीं किया और इस बात की जांच खुद करने का फैसला किया। फिर राजा ने उस व्यक्ति को बुला कर अपने महल में रखा और एक सुबह स्वयं उसका मुख देखने पहुंचा। संयोग से व्यस्तता के कारण उस दिन राजा भोजन नहीं कर सका। वह इस नतीजे पर पहुंचा कि उस व्यक्ति का चेहरा सचमुच मनहूस है। उसने जल्लाद को बुलाकर उस व्यक्ति को मृत्युदंड देने का हुक्म सुना दिया। जब मंत्री ने राजा का यह हुक्म सुना तो उसने पूछा, महाराज! इस निर्दोष को क्यों मृत्युदंड दे रहे हैं? राजा ने कहा, हे मंत्री! यह व्यक्ति वास्तव में मनहूस है। आज सर्वप्रथम मैंने इसका मुख देखा तो मुझे दिन भर भोजन भी नसीब नहीं हुआ। इस पर मंत्री ने कहा, महाराज क्षमा करें, प्रातः इस व्यक्ति ने भी सर्वप्रथम आपका मुख देखा। आपको तो भोजन नहीं मिला, लेकिन आपके मुखदर्शन से तो इसे मृत्युदंड मिल रहा है। अब आप स्वयं निर्णय करें कि कौन अधिक मनहूस है। राजा भौंचक्का रह गया। उसने इस दृष्टि से तो सोचा ही नहीं था। राजा को किंकर्तव्यविमूढ़ देख कर मंत्री ने कहा, राज! किसी भी व्यक्ति का चेहरा मनहूस नहीं होता। वह तो भगवान की देन है। मनहूसियत हमारे देखने या सोचने के ढंग में होती है। आप कृपा कर इस व्यक्ति को मुक्त कर दें। राजा ने उसे मुक्त कर दिया। उसे सही सलाह मिली।

7 अंतर खोजें

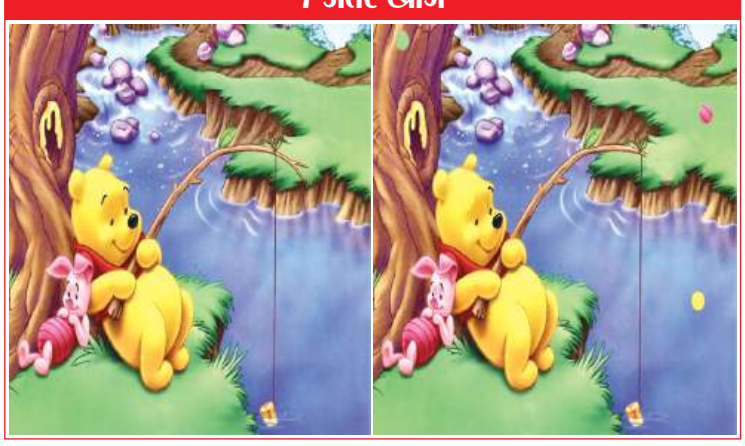

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। थकान हो सकती है।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टार पावर सिर्फ शुरुआती ध्यान खींच सकती है: विष्णु

एक्टर-प्रोड्यूसर विष्णु मांचू की फिल्म 'कन्नप्पा' इस हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी इस पौराणिक फिल्म में अक्षय कुमार, प्रभास और मोहनलाल जैसे बड़े एक्टर्स खास रोल में नजर आएंगे। विष्णु ने माना कि स्टार पावर सिर्फ शुरुआती ध्यान खींच सकती है, लेकिन अंत में कंटेंट ही किंग होता है। विष्णु ने फिल्म को लेकर की और भी बात। यह सफर 2014 में शुरू हुआ था। मुझे आज भी याद है जब एक राइटर मेरे घर आए और हमने इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की। तभी मैंने तय कर लिया था कि ये फिल्म मुझे बनानी है। इसके बाद हर स्टेज मुझे आज भी याद है। रिसर्च से लेकर अलग-अलग देशों में जाकर लोकेशन फाइनल करना। अब जब फिल्म रिलीज के करीब है, तो ये मेरी जिंदगी का खास पल है। अगर कहूं कि बॉक्स ऑफिस की परवाह नहीं है, तो वो झूठ होगा। मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक प्रार्थना है। हां, पैसा जरूरी है, लेकिन इसलिए नहीं कि अमीर बनना है, बल्कि इसलिए कि ऐसी कहानियां कह सकें जो इतिहास और विश्वास से जुड़ी हों। 'कन्नप्पा' उन्हीं अनकहे हीरोज की कहानी है, जो हमारे कल्चर का हिस्सा हैं लेकिन पर्दे पर कभी नहीं आए। मैं चाहता हूं कि हमारा इतिहास सिर्फ किताबों में नहीं, सिनेमा में भी जिंदा रह सकता है। अक्षय, मोहनलाल, प्रभास और काजल जैसी अलग-अलग इंडस्ट्रीज के दिग्गज अहम रोल में नजर आ रहे हैं। पर कहा कि ये सिर्फ कास्टिंग नहीं थी, ये एक सोच का नतीजा था। जब मैंने फिल्म लिखना शुरू किया, तो सोचा कि अगर भाषा की कोई सीमा न हो, तो मैं किन चेहरों को इन देवताओं के रूप में देखना चाहूंगा। तभी अक्षय, प्रभास, मोहनलाल और काजल जैसे नाम सामने आए और खुशकिस्मती से वो सब इसका हिस्सा बन भी गए। इनका आना सिर्फ स्टार पावर के लिए नहीं था, बल्कि भारत की विविधता और एकता को दिखाने का एक तरीका था। यह सिर्फ एक रीजनल फिल्म नहीं, बल्कि पूरे देश की सांझा विरासत की कहानी है और उसमें हर कोने की झलक जरूरी थी।

जहीर को पति कहना लगता है अजीब

शादी के एक साल बाद सोनाक्षी ने किया खुलासा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बी-टाउन के फेवरेट कपल में शामिल हैं। हाल ही में 23 जून को इनकी शादी को एक साल पूरा हुआ है, जिसका जश्न धूमधाम से मनाया गया। जहीर-सोनाक्षी ने करीब एक साल एक-दूसरे को डेट किया, फिर जीवनसाथी बने। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर के साथ रिलेशनशिप पर बात करते हुए कहा कि उन्हें जहीर को पति कहना अजीब लगता है। सोनाक्षी ने शादी के बाद आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि जहीर उनके सबसे बड़े सपोर्टर बन गए हैं। सोनाक्षी ने बॉलीवुड बबल्स के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि पति के रूप में जहीर इकबाल बहुत सहयोगी हैं। वह उन्हें अपना सबसे बड़ा चीयरलीडर मानती हैं, जो उनकी हर चीज से प्यार करते हैं और उनकी ईमानदारी को महत्व देते हैं। उन्हें उनकी बेबाकी मददगार लगती है, क्योंकि इससे उन्हें जमीन से जुड़े रहने में मदद मिलती है। वास्तविकताओं का पता रहता है। इसके अलावा, दर्शकों के बारे में जहीर की समझ उन्हें यह कीमती जानकारी देती है कि उनका काम किस तरह देखा जा रहा है। सोनाक्षी से जब पूछा गया कि शादी के बाद जहीर में क्या बदलाव आए हैं? इस पर उन्होंने कहा कि वे अब भी वही व्यक्ति है, जिससे वे प्यार करती थीं। जहीर को अपना पति कहने में उन्हें हंसी आती है, क्योंकि सोनाक्षी के मुताबिक वे अब भी उनके बॉयफ्रेंड हैं। सोनाक्षी ने आगे कहा कि शादी के बाद इकलौता और असल बदलाव यही है कि अब वे और जहीर एक ही घर में रहते हैं। साथ रहने से उनके बीच काफी सकारात्मकता और मौज-मस्ती बढ़ गई है। सोनाक्षी सिन्हा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म निकिता रॉय है। इस फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा ने किया है। यह फिल्म 27 जून को रिलीज हो रही है। इसके अलावा सोनाक्षी की झोली में फिल्म जटाधरा भी है। इस फिल्म के जरिए वे साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं।

दिलजीत के सपोर्ट में उतरे जसबीर जस्सी

बोले- सारे पाकिस्तानी गाने हटाओ, दोगलापन क्यों?

पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ की मच अवेटेड फिल्म सरदार जी 3 इन दिनों विवादों के घेरे में है। वजह है फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की कास्टिंग, जिसने न सिर्फ सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है, बल्कि ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन तक को कड़ा रुख अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पूरे मामले पर अब सिंगर जसबीर जस्सी खुलकर दिलजीत के समर्थन में सामने आए हैं। जस्सी ने कहा कि सिर्फ एक फिल्म को निशाना बनाना ठीक नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर पाकिस्तानी कलाकारों से समस्या है तो पहले यूट्यूब और स्पॉटिफाई जैसे प्लेटफॉर्म से सारे पाकिस्तानी गाने हटा दिए जाएं। उन्होंने कहा, 'क्या आपको पता है कि भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के 80 प्रतिशत गाने या तो पाकिस्तानी गानों से प्रेरित हैं या सीधे उनसे लिए गए हैं?' जसबीर का कहना है कि सिर्फ दिखावे के लिए एक कलाकार या फिल्म को बैन करना समाधान नहीं है। अगर सच्ची देशभक्ति दिखानी है तो पूरे सिस्टम को साफ करना होगा। 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की मौजूदगी को लेकर देश के कुछ वर्गों में गुस्सा है। AICWA ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा है कि जब देश में आतंकी घटनाएं हो रही हैं और कई जवान शहीद हो रहे हैं, तब किसी पाकिस्तानी कलाकार को भारतीय फिल्म में काम देना देशभक्ति के खिलाफ है। इस मुद्दे को लेकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिलजीत दोसांझ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। AICWA ने इस मामले में जो मांगे रखी हैं उनमें दिलजीत के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भारत में प्रतिबंध लगाए जाने की मांग, उनकी फिल्मों और गानों को सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाए जाने की मांग, उनके लाइव शोज और सार्वजनिक आयोजनों में शामिल होने पर बैन लगाए जाने की मांग, सरकारी अभियानों में दिलजीत की भागीदारी रोके जाने की मांग और सरदार जी 3 की फंडिंग और निर्माण की जांच करने की मांग शामिल है।

कभी भूत से की थी शादी, अब भूतिया जेल में शूट किया अपना नया म्यूजिक वीडियो!

कुछ लोग भूतों का शिकार करते हैं। कुछ लोग भूतों के सबूत जमा करने का शौक रखते हैं तो कुछ केवल भूतों के साथ कुछ वक्त बिता कर यह जानना चाहते हैं कि भूत उन्हें कितना डरा सकते हैं। ऐसे लोगों को भुतहा जगहों पर जाना रोमांचक लगता है। वे दुनिया भर की ऐसी हॉन्टेड जगहों पर जाना चाहते हैं। पर भूत से शादी कर चुकीं फीमेल सिंगर, ब्रोकार्डे ने तो अनोखा ही काम कर डाला। उन्होंने अपने गाने का वीडियो शूट एक भुतहा जेल में करवाया। उनका दावा है कि उन्हें भूतों के अनूठे अनुभव हुए। ब्रोकार्डे ने अपने नए गाने आइडेंटिटी थेफ्ट का म्यूजिक वीडियो ग्लॉस्टर जेल में शूट किया। और यह जेल भूतों के लिए मशहूर है। डेली स्टार के मुताबिक, शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने उन्हें चौंका दिया। भूत उनके साथ डांस करने के अंदाज में सिर हिला रहे थे। यह एक भूतिया पंक रॉक पार्टी जैसा था। ग्लॉस्टर जेल का इतिहास बहुत पुराना है। यह जेल ग्लॉस्टर किले की जगह पर बनी थी। यहां सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। कई लोगों को फांसी दी गई। कुछ लोग कहते हैं कि खुदाई में वहां लाशें मिली हैं। इस जेल में कई कुख्यात अपराधी रह चुके हैं। यहां भूतों की कहानियां भी मशहूर हैं। लोग बताते हैं कि भूतिया नर्स, वार्डन और कैदी यहां दिखते हैं। वे पत्थर फेंकते हैं। शोर मचाते हैं। मेहमानों को डराते हैं। ब्रोकार्डे ने पहले भी कई भूतिया जगहों पर शूटिंग की है। लेकिन इस बार उनका मकसद भूतों को ढूंढना नहीं था। उनके पास समय कम था। उन्हें वीडियो शूट करना था। उन्होंने सोचा कि वे भूतों को नजरअंदाज कर देंगी। रात 12 बजे से पहले शूटिंग खत्म करनी थी। रात होने पर जेल में अजीब सा माहौल था। वे लगभग अकेला थीं। फिर भी जेल में एक अजीब सी ऊर्जा थी। ऐसा लगता था जैसे पुराने कैदी अभी भी वहां हैं। वो एक सीन शूट कर रही थीं। उन्हें जेल के सेल ब्लॉक में हेड बैंगिंग यानी डांस करते हुए सिर हिलाने की हरकत करनी थी। गाने के बोल मार्च, मार्च, मार्च हवा में गूंज रहे थे। तभी ब्रोकार्डे को कुछ भूतिया आकृतियां दिखीं। कई कैदियों के भूत उनके सामने थे। ब्रोकार्डे को भूतों की मौजूदगी का अच्छे से अहसास हुआ। कई भूत को उनके साथ ही नाच रहे थे और वे उन्हें दिखाई भी दिए थे। उनका भूतों से पहली बार सामना नहीं हुआ था, इसलिए उनके लिये यह बहुत ही रोमांचक अनुभव था।

अजब-गजब | जब पुलिस वालों ने भी नहीं दिया साथ

तो कपल ने खुद चुराई अपनी कार!

चोर के घर में चोरी। आपने ये कहावत तो जरूर सुनी होगी, लेकिन ऐसा उदाहरण शायद ही कभी देखा होगा। लेकिन यूनाइटेड किंगडम के एक कपल ने ऐसा ही कुछ कर दिखाया। इस कपल का नाम मिया फोर्ब्स पिरी और मार्क सिम्पसन है, जिन्होंने अपनी चोरी हुई कार को खुद ही जासूस बनकर बरामद कर लिया। फिर मौका मिलते ही उसे चुरा लिया और अपने घर ले आए। इस कपल ने ऐसा क्यों किया? ये सवाल जेहन में उठता है, तो आपको बता दें कि पुलिस ने चोरी हुई कार को खोजने के लिए समय न होने की बात कही थी। ऐसे में कपल ने खुद जांच की और कार को बरामद किया। फिर मौका मिलते ही उसे चोरों से चुरा लाए।

यह घटना लंदन के ब्रूक ग्रीन इलाके में इस महीने की शुरुआत में हुई, जब मिया फोर्ब्स पिरी और मार्क सिम्पसन की जैगुआर ई-पेस कार उनके घर से चोरी हो गई। इस कार में एक घोस्ट इम्मोबिलाइजर लगा था, जो एक विशेष कोड के जरिए चोरों को कार स्टार्ट करने से रोकता है। इसके अलावा कार में एक एयरटैग लोकेटर भी था, जिसने दंपति को उनकी कार का पता लगाने में मदद की। दंपति ने एयरटैग की मदद से अपनी कार को चिसविक इलाके में ट्रैक किया। लेकिन जब उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी, तो पुलिस ने कहा कि वे बहुत व्यस्त हैं और जांच के लिए समय नहीं निकाल सकते। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक 999 ऑपरेटर ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि जांच कब शुरू हो पाएगी। कार के गायब होने की पहली सूचना 4 जून को मिली, जब एयरटैग ने सुबह 3:20 बजे कार को उनके घर के बाहर दिखाया। अगले अपडेट में सुबह 10:30 बजे कार चिसविक में थी। ऐसे में पुलिस की अनुपस्थिति में भी दंपति तुरंत उस जगह पर पहुंच गए। कपल ने देखा कि कार एक सुनसान गली में खड़ी है, जहां चोरों ने इसके इंटीरियर और कार्पेट को तहस-नहस कर दिया था। ऐसा लग रहा था कि वे कार को स्टार्ट करने के लिए उसके तारों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। मिया फोर्ब्स पिरी ने एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा, अपनी कार को वापस चुराना मजेदार था। लेकिन यह सोचने वाली बात है कि क्या हमें ऐसा करना चाहिए था? यह सामान्य नहीं है, लेकिन इस तरह की चोरी की जांच में पुलिस की कोई दिलचस्पी नहीं होना क्या सही है? यह शायद एक सुनियोजित अपराध था, जिसमें फ्लैटबेड ट्रक का इस्तेमाल हुआ। अगर ऐसे अपराधों की कोई सजा नहीं होगी, तो लोग इसे और ज्यादा करेंगे। पिरी ने 'द टाइम्स' से बात करते हुए कहा, हमें कार मिलने के बाद कई लोगों ने इसे छुआ, लेकिन पुलिस अब कार्पेट के नीचे और फ्यूज बॉक्स में उंगलियों के निशान ढूंढने की कोशिश करेगी। पिरी ने पुलिस की संसाधन की कमी पर अफसोस जताया और कहा, पुलिस के पास संसाधन कम हैं और यह शर्मनाक है। लेकिन अगर कार चोरी या अन्य अपराधों के लिए कोई सजा नहीं होगी, तो मुझे नहीं लगता कि लोगों को इसे दोबारा करने से रोकने का कोई तरीका है। दंपति द्वारा कार बरामद करने के बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने जवाब दिया और कहा कि वे संपर्क में रहेंगे। एक फोरेंसिक टीम इस हफ्ते कार की जांच के लिए आने वाली है।

महाराष्ट्र में भाजपा विधायक के बेतूके बयान पर घमासान

» विपक्ष ने बीजेपी पर किया हमला, पार्टी की बढ़ेंगी मुश्किलें?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक बबनराव लोणीकर के एक विवादित बयान से सियासी पारा हाई हो गया है। विधायक ने एक सभा में कहा कि उनकी पार्टी और सरकार की आलोचना करने वालों को पता होना चाहिए कि उन्हें कपड़े, जूते, मोबाइल, योजनाओं का आर्थिक लाभ और बुवाई के लिए पैसे भी हमारी वजह से मिल रहे हैं। महाराष्ट्र के जालना में अपने विधानसभा क्षेत्र परतुर में 'हर घर सोलर' योजना से जुड़े एक समारोह में लोणीकर ने फडणवीस सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का जिक्र किया।

नगर निकाय चुनाव में बनेगा मुद्दा

इस दौरान उन्होंने बीजेपी के आलोचकों पर निशाना साधा। लोणीकर की विवादित टिप्पणी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद विपक्षी दलों ने इसकी कड़ी आलोचना की। फडणवीस ने खुद भी इन टिप्पणियों को गलत बताया। लोणीकर को सभा में कह रहे थे, कुछ लोग सोशल मीडिया पर हमारी और हमारी पार्टी की आलोचना करते हैं। हमने आपके गांव में पानी की टंकी, कंक्रीट की सड़कें, समारोह स्थल बनवाए और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिया।

आपके पास जो कुछ है वो सब हमारी वजह से हैं : लोणीकर

बबनराव लोणीकर ने आलोचना करने वालों की माताओं को वेतन दिया और उनके पिताओं के लिए पेंशन भी स्वीकृत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपके पिता को बुवाई के लिए 6,000 रुपये सम्मान निधि दिए। आपकी बहनें 'लाडकी बहिन योजना' का लाभ उठा रही है। आपके पास जो कपड़े, जूते, मोबाइल फोन हैं, वे सब हमारी वजह से हैं।

किसी को भी ऐसी बातें कहने का अधिकार नहीं : फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने विधायक के बयान से असहमति जताते हुए इसे 'बिल्कुल गलत' बताया है। उन्होंने कहा, ''भले ही उनकी टिप्पणी कुछ खास लोगों के लिए थी, लेकिन किसी को भी ऐसी बातें कहने का अधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि 'मैं प्रधान सेवक हूं'. चूंकि हम लोगों के सेवक हैं, तो हम उनके मालिक नहीं हो सकते। लोणीकर की टिप्पणी बिल्कुल गलत है और उन्हें बोलने में सावधानी बरतनी चाहिए।

अंग्रेजों का स्वदेशी संस्करण हैं बीजेपी विधायक : दानवे

शिवसेना यूबीटी के विधान परिषद सदस्य और सदन में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने बीजेपी विधायक की टिप्पणियों के लिए उन पर निशाना साधा और उन्हें 'अंग्रेजों का स्वदेशी संस्करण' करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसी भाषा बोलना ठीक नहीं है। अंबादास दानवे ने बबनराव लोणीकर पर निशाना साधते हुए 'एक्स' पर लिखा, आपका विधायक का दर्जा लोगों की वजह से है। आपके कपड़े, जूते, हवाई टिकट, नेतागिरी, आपकी कार में ईंधन भी लोगों की वजह से है। लोगों को बबनराव लोणीकर के ये शब्द याद रखने चाहिए. महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव आ रहे हैं।

प्रेस की स्वतंत्रता और विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा : गहलोत

» बोले- देश में संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी पर देश में संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री समझ नहीं पा रहे हैं, जनता बहुत परेशान है। लोगों की शिकायतें नहीं सुनी जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि अधिकारी विधायकों की भी नहीं सुन रहे हैं। पहले अधिकारियों को डर रहता था कि कहीं उनके खिलाफ शिकायत न दर्ज हो जाए। मौजूदा स्थिति को अघोषित आपातकाल बताते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्रवाइयां पिछले 11 वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों के व्यवस्थित क्षरण को दर्शाती हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, यह विडंबना है कि भाजपा सरकारें संविधान हत्या दिवस मना रही हैं। यह एक बेईमान व्यक्ति द्वारा ईमानदारी पर व्याख्यान देने जैसा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि देश में नागरिक स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत में मौजूदा स्थिति को केवल दो शब्दों में वर्णित किया जा सकता है - अघोषित आपातकाल। संविधान को भले ही निलंबित नहीं किया गया हो और न ही राष्ट्रपति ने कोई औपचारिक घोषणा की हो, लेकिन लोगों के अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विपक्ष की आवाज को दबाने के प्रयास जारी हैं।

कठौता झील में डूबकर व्यक्ति की मौत

» दोस्तों के साथ गया था कठौता झील में नहाने

» झील का हिस्सा मत्स्य विभाग के है अधीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चिनहट क्षेत्र स्थित कठौता झील में दोस्त नहाने गए थे, जिसमें एक युवक की गहराई में जाने से डूबकर मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने गोताखोरों की मदद शव को झील से बाहर निकलवाया। पुलिस मामले की छानबीन की तो शव की पहचान गोमतीनगर के विवेक खंड निवासी मनीष कुमार शुक्ला पुत्र कृष्ण कुमार शुक्ला के रूप में हुई। साथ में नहाने कौन-कौन मित्र गए थे इसके बारे में पुलिस गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े छह बजे पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा चिनहट पुलिस को

सूचना मिली कि एक युवक दोस्तों के साथ कठौता झील में नहाने गए, जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई है। उधर इस संदर्भ में अधिशासी अभियंता श्री सचिन सिंह यादव ने स्पष्ट किया है कि मृत युवक की डूबने की घटना मत्स्य विभाग के तालाब में हुई है, न कि जलकल विभाग की देखरेख वाली कठौता झील में। उन्होंने बताया कि संबंधित तालाब में मछली पालन का कार्य किया जाता है और यह तालाब जलकल विभाग के अधीन नहीं आता है।

भाषा के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही भाजपा : उद्धव ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और सत्तारूढ़ पार्टी पर महाराष्ट्र में भाषा आपातकाल लगाने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी, जो कि भाजपा की पूर्व सहयोगी है, हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह निश्चित रूप से मराठी भाषी राज्य में भाषा को थोपे जाने के खिलाफ है।

मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी पढ़ाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच उन्होंने जोर देकर कहा, हम किसी भी भाषा का विरोध या

नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को थोपने की अनुमति देंगे। उन्होंने दावा किया, भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का छिपा हुआ एजेंडा हिंदी थोपना है। पूर्व सीएम ने दावा किया, सत्तारूढ़ पार्टी भाषा आपातकाल लगा रही है।

शिवसेना यूबीटी ने मराठी हस्तियों की 'चुप्पी' पर भी उठाए सवाल

महाराष्ट्र में स्कूलों में मराठी और अंग्रेजी के अलावा तीसरी के रूप में हिंदी पढ़ाने को लेकर पैदा विवाद के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने दावा किया कि राज्य सरकार का इस मुद्दे पर एक के बाद एक बैठकें करने का कदम मराठी का ''अपमान'' है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में मराठी साहित्य की प्रमुख शख्सियतों और हस्तियों की ''चुप्पी'' पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि इनमें से कई सरकार से जुड़े होने के कारण इस मुद्दे पर बोल नहीं रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई कैबिनेट मंत्रियों और साहित्यिक हस्तियों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ते हैं, इसलिए उनके पास मराठी के संरक्षण के बारे में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

एजबेस्टन : 58 वर्षों का सूखा खत्म करना चाहेगा भारत

» इस मैदान पर चार भारतीय लगा चुके हैं शतक, पंत के लिए मैदान है खास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन में टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। इसकी शुरुआत दो जुलाई को होगी। इस टेस्ट में शुभमन गिल के पास इतिहास रचने का मौका है। दरअसल, इस मैदान पर अब तक भारतीय टीम फतह नहीं कर पाई है। टीम इंडिया ने इस मैदान पर सबसे पहला मैच 1967 में खेला था। तब से 58 साल हो गये, यहां किसी भारतीय कप्तान ने जीत हासिल नहीं की।

हालांकि, गिल के पास अपना नाम इतिहास की किताबों में दर्ज कराने का मौका होगा। क्योंकि अगर वह जीत दर्ज करते हैं तो वह हले भारतीय कप्तान बनेंगे। इस मैदान पर भारत की ओर से अब तक चार शतक लगे हैं और जिस तरह की फॉर्म में भारतीय खिलाड़ी हैं, इस बार वहां इस लिस्ट में और भी भारतीय खिलाड़ियों का नाम जुड़ सकता है। ऋषभ पंत के लिए यह मैदान खास है क्योंकि वह यहां पहले भी एक शतक लगा चुके हैं। एजबेस्टन में शतक लगाने वाले भारतीयों में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा जैसे नाम शामिल हैं। सचिन और कोहली अब टेस्ट में नहीं खेलते हैं, जबकि पंत और जडेजा इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। मौजूदा भारतीय टीम में 10 खिलाड़ियों को इस मैदान का अनुभव है। इससे टीम इंडिया को फायदा हो सकता है। हालांकि, इन 10 में से सात को ही वहां खेलने का अनुभव है। बाकी तीन स्क्वॉड का हिस्सा रहे थे। इन सात में कप्तान गिल, उपकप्तान पंत, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और शार्दुल ठाकुर शामिल हैं।

अब टेस्ट में भी लागू किया गया स्टॉप क्लॉक नियम

नई दिल्ली। धीमी ओवर गति से निपटने के लिए आईसीसी ने टेस्ट में स्टॉप क्लॉक की शुरुआत की है। यह नियम सफेद गेंद प्रारूप में पहले से लागू है। अब आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के नए चक्र से इस नियम को टेस्ट में भी लागू कर दिया है। इस नियम के तहत दो ओवरों के बीच में टीम को अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेकंड का समय दिया जाएगा। इस समय अंतराल में टीम को हर हाल में अगला ओवर शुरू करना होगा। ओवर खत्म होते ही तीसरा अंपायर मैदान पर लगी घड़ी शुरू कर देगा, जिसमें 60 से लेकर शून्य तक उल्टी गिनती शुरू होगी। अगर इस समय सीमा में ओवर शुरू नहीं होता तो मैदानी अंपायर टीम को दो चेतावनियां देगा। तीसरी चेतवानी पर पांच रन की पेनाल्टी लगेगी। ये रन बल्लेबाजी टीम के खाते में जुड़ेंगे।

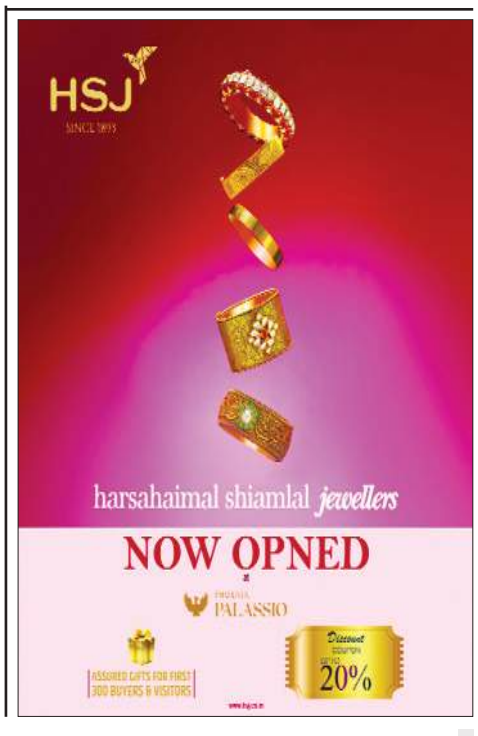

आरएसएस के बयान पर विपक्ष में उबाल

होसबोले के बयान से नाराज हुई कांग्रेस, बोले नेता- संघ ने कभी संविधान को स्वीकार नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना की, जिसने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया था।

पार्टी ने आरोप लगाया कि आरएसएस ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया और उनकी मांग इसे नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि आरएसएस का सुझाव हमारे संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला है।

समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द अंबेडकर के मूल मसौदे का हिस्सा नहीं थे : होसबोले

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द अंबेडकर के मूल मसौदे का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान 1976 के बयालीसवें संशोधन के ज़रिए जोड़ा गया था, यह वह दौर था जब संसद, न्यायपालिका और मौलिक अधिकारों पर बहुत ज्यादा पाबंदी लगाई गई थी। होसबोले ने कहा, बाबा साहेब अंबेडकर ने जो प्रस्तावना बनाई थी, उसमें ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान न्यायपालिका कमज़ोर हो गई थी, तब ये शब्द जोड़े गए, और इस पर सार्वजनिक बहस की मांग की कि क्या इन्हें रहना चाहिए।

मनुस्मृति थोपना चाहती हैं संघ : जयराम रमेश

इसके जवाब में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आरएसएस ने अपनी स्थापना के समय से ही संविधान पर हमला किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कभी भी संविधान को स्वीकार नहीं किया, उन्होंने इसकी आलोचना की कि यह मनुस्मृति से प्रेरित नहीं है। भाजपा द्वारा 2024 के चुनाव अभियान का नारा 400 पार था ताकि वे संविधान को बदल सकें। तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश ने खुद 25 नवंबर, 2024 को एक प्रमुख आरएसएस पदाधिकारी द्वारा उठाए जा रहे मुद्दे पर एक फैसला सुनाया। क्या उनसे इसे पढ़ने का कष्ट करने का अनुरोध करना बहुत ज्यादा होगा?

चुनाव के बाद तेजस्वी ही होंगे सीएम : कन्हैया कुमार

» तेजस्वी यादव पर जताया सभी ने विश्वास

» कांग्रेस नेता बोले- महागठबंधन में कोई विवाद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि अगर आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में 'महागठबंधन' को बहुमत मिलता है, तो मुख्यमंत्री राजद से होगा, और कहा कि तेजस्वी यादव सीएम पद के लिए मुख्य चेहरा होंगे, इस पर कोई भ्रम या विवाद नहीं है।

कुमार ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'महागठबंधन' की तरफ से मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के प्रमुख चेहरा होने को लेकर कोई असमंजस और विवाद नहीं है क्योंकि विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर सबसे बड़े घटक दल के रूप में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नेता ही स्वाभाविक रूप से मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एक साजिश के तहत इनसे ध्यान भटकाने के लिए बार-बार चेहरे की बात की जा रही है। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है। बिहार में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के घटक दलों के गठजोड़ को 'महागठबंधन' के नाम से जाना जाता है। इस गठबंधन में वाम दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 52 प्रतिशत की सफलता दर से 75 सीटें हासिल की थी।कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसे 27 प्रतिशत सीटों पर ही सफलता मिली थी और उसने सिर्फ 19 सीटें जीती थीं। भाकपा (माले) लिबरेशन ने 19 सीट पर चुनाव लड़ा और 12 पर जीत हासिल की थी यानी उसे 63 प्रतिशत सीटों पर कामयाबी मिली थी।

इस बार बदलाव की बयार पहले से ज्यादा मजबूत

बिहार में वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के बारे में पूछे जाने पर कन्हैया कुमार ने कहा, ''मेरे खयाल से पिछली बार भी बदलाव का माहौल था। थोड़े अंतर से महागठबंधन की सरकार नहीं बन पाई। पिछले पांच वर्षों से बिहार की जो स्थिति है, उससे लगता है कि (इस बार) बदलाव की बयार पहले से ज्यादा मजबूत है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी ने महागठबंधन के घटक दलों का उल्लेख करते हुए कहा, हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे। जिसकी बड़ी जिम्मेदारी है वह निभाएगा और जिसकी छोटी जिम्मेदारी है, उसका भी निर्वहन जरूरी है। एक चुटकी नमक कम तो खाना बेस्वाद और एक चुटकी ज्यादा हो तो भी खाना बेस्वाद... इसलिए सब अपनी अपनी भूमिका निभाएंगे।

सभी दलों की अपनी भूमिका है और वे एकजुट होकर सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

बिहार में कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शुमार इस नेता ने महागठबंधन में सीनियर और जूनियर घटक के विचार को खारिज करते हुए कहा कि सभी दलों की अपनी भूमिका है और वे एकजुट होकर सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, यदि आप गाड़ी को देखें तो उसमें क्लच उतना ही महत्वपूर्ण होता है जितना ब्रेक और रियर व्यू मिरर महत्वपूर्ण होते हैं। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे और तेजस्वी यादव से जुड़े सवाल पर कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह जनता तय करती है। जिसके पास संख्याबल है वह मुख्यमंत्री बनेगा। स्वाभाविक रूप से राजद ज्यादा सीटों पर लड़ेगी और ज्यादा सीटों पर जीतेगी।

भाजपा क्षेत्रीय दलों को धीरे-धीरे उसे निगल जाती है

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि वे नीतीश जी के अस्वस्थ होने पर यह कोशिश कर रहे हैं। वह पहले भी प्रयास कर चुके हैं। भाजपा पिछले कई दशकों से बिहार में वही करना चाहती है जो दूसरी जगह करने में सफल रही है। मतलब पहले क्षेत्रीय दल का साथ पकड़ो और फिर धीरे-धीरे उसे निगल जाओ। बिहार में ऐसा न कर पाने की वजह से भाजपा नीतीश का साथ लेने को मजबूर हुई। कुमार ने कटाक्ष करते हुए कहा, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा था कि नीतीश जी के लिए सारे दरवाजे बंद हैं। तो क्या नीतीश जी ब्लूटूथ से (राजग में) डाउनलोड हो गए ? उन्होंने कहा कि बिहार में पलायन, बेरोजगारी, पेपर लीक, परीक्षाओं का समय पर नहीं होना, अपराध में वृद्धि और नौकरशाही की मनमानी आदि प्रमुख मुद्दे होंगे। उनका कहना था कि भाजपा बिहार में ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे को ज्यादा नहीं उछाल रही है क्योंकि उसे पता है कि बिहार के लोग सेना को लेकर राजनीति पसंद नहीं करेंगे।

अहमदाबाद में रथ यात्रा में हादसा होने से बचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत हो रही है। यह भव्य यात्रा पुरी के जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। जगन्नाथ रथ यात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। वहीं अहमदाबाद में रथ यात्रा के दौरान जुलूस में शामिल एक हाथी बेकाबू हो गया और उसने अजीब व्यवहार करना शुरू कर दिया। इसे तुरंत काबू में कर लिया गया और वहां से ले जाया गया।

अहमदाबाद पुलिस ने बताया कि अग्निशमन विभाग, डॉक्टर और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं। 12 दिन चलने वाली रथ यात्रा को लेकर भक्त उत्साहित हैं। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को जगन्नाथ रथ यात्रा की शुभकामनाएं दीं। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पहांडी अनुष्ठान शुरू हुआ। इसमें भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथ यात्रा के लिए 12वीं सदी के मंदिर से उनके संबंधित रथों तक जुलूस के रूप में ले जाया गया। अनुष्ठान एक घंटे देरी से शुरू हुआ और तीन घंटे तक चलेगा। पहांडी में त्रिदेवों भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को जुलूस के रूप में सिंह द्वार के सामने खड़े उनके रथों तक ले जाया जाता है। जहां से उन्हें श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया जाता है।

पहाड़ों पर बारिश बाढ़ से हाहाकार

हिमाचल-जम्मू कश्मीर में कई की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहर बरपा रहा है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जोरदार बारिश हो रही है। वहीं, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अभी भी मानसून का इंतजार जारी है। इस बीच, हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के खनियारा और कुल्लू के सैंज में पांच जगह बादल फटने के एक दिन बाद राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा।

इस दौरान खनियारा में मनूणी खड्ड से दो और शव बरामद किए गए, जबकि लापता चार लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है। उधर, जम्मू-कश्मीर अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग मारे गए और बारिश के साथ मलबा आने से हिमकोटी के रास्ते वैष्णो देवी यात्रा बाधित हो गई है। इस बीच, मौसम विभाग ने गुजरात, केरल महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के खनियारा और कुल्लू के सैंज में पांच जगह बादल फटने के एक दिन बाद राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा। इस दौरान खनियारा में मनूणी खड्ड से दो और शव बरामद किए गए, जबकि लापता चार लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है। वहीं, सैंज में फंसे 500 सैलानियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है जबकि कुल्लू के ही बकरथाच और हामटा-छतड्रू ट्रैक से 81 ट्रैकर को बचाया गया है।

एअर इंडिया की फ्लाइट में बम की खबर से मच गया हड़कंप

» विमान के नंबर के साथ टिशू पेपर पर लिखी थी लाइन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब क्रू मेंबर ने विमान में एक टिशू पेपर देखा, जिस पर बम लिखा था। तुरंत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

बताया जा रहा है कि एअर इंडिया के विमान में बम होने की बात टिशू पेपर पर लिखी थी। विमान में क्रू मेंबर को टिशू पेपर मिला। इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों दी गई। इसके बाद सुरक्षा अधिकारी पूरे विमान की जांच करने के लिए पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट नंबर 2954 जो मुंबई से दिल्ली आई। उसमें क्रू मेंबर को एक टिशू पेपर मिला। जिसपर लिखा था कि एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर 2948 में बम है। इससे पहले बीते शनिवार को एअर इंडिया की बर्मिंघम (ब्रिटेन) दिल्ली आ रही एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद सऊदी अरब के रियाद शहर में डायवर्ट करना पड़ गया था। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रविवार को इस घटना की पुष्टि की। एअर इंडिया ने अपने बयान में बताया कि विमान को सुरक्षित रियाद एयरपोर्ट पर उतारा गया और पूरी सुरक्षा जांच की गई।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा को मिलेंगी 50 से भी कम सीटें : अभिषेक बनर्जी

» टीएमसी सांसद बोले- बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें मिलेंगी। बनर्जी ने आज सतगाछी में बोलते हुए कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी।

2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुक गई। मैंने कहा था कि 2024 में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, और यह सच साबित हुआ। अभिषेक

बनर्जी ने कहा कि भाजपा के बातूनी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार 9000 वोटों से जीते। उन्होंने मेरे खिलाफ लोगों को संगठित करने की भी हिम्मत की। अगर वह 50 साल तक राजनीति करते हैं और 10 चुनाव लड़ते हैं, तब भी उनका अंतर 7.1 लाख के करीब नहीं आएगा, जो मुझे डायमंड हार्बर में मिला था। बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला करते हुए कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते तो ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं? उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने यहां तक कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद क ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों के आशीर्वाद से 34 साल पुरानी सीपीआई(एम) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अपने बलबूते पर सीएम बनी हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 Email : daily4pm@gmail.com
website: www.4pm.co.in RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।